



FSSAI द्वारा खाद्य सुरक्षा वनियमों को सुव्यवस्थिति करने पर वचिार

प्रलिमिंस के लयि:

[भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधकिरण \(FSSAI\)](#), [भारतीय मानक बयुरो \(BIS\)](#), कृषविपिणन (AGMARK)

मेन्स के लयि:

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधकिरण, खाद्य और पोषण असुरक्षा, सुव्यवस्थिति खाद्य सुरक्षा वनियमि

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

चर्चा में क्यो?

हाल ही में [भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधकिरण \(FSSAI\)](#) ने नई दलिी में आयोजति बैठक में व्यापार में सुगमता की सुवधि प्रदान करते हुए [खाद्य सुरक्षा और मानक नयिमों को सरल एवं कारगर बनाने के लयि](#) वभिनिन संशोधनों को मंजूरी दी ।

- FSSAI इस संबंध में एक मसौदा अधसूचना जारी करेगा और संशोधनों को अंतिम रूप देने से पहले हतिधारकों से टपिणयिँ प्राप्त कर उन पर वचिार करेगा ।

खाद्य सुरक्षा और मानक वनियमों में प्रस्तावति संशोधन क्या हैं?

- **एकाधकि प्रमाण-पत्रों का उनमूलन:**
 - इसके स्थान पर, [नरिदषिट परिवर्तनों को अंतिम रूप दयि जाने के बाद केवल FSSAI से प्रामाणीकरण](#) अनविर्य होगा ।
 - इन संशोधनों का उद्देश्य खाद्य उत्पादों के लयि [भारतीय मानक बयुरो](#) और कृषविपिणन प्रमाणन से प्रमाणन की अनविर्यता को समाप्त करना है ।
- **व्यापार में सुगमता की सुवधि:**
 - ये संशोधन सरकार के '[एक राष्ट्र, एक वस्तु, एक नयिमक](#)' के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जसिका उद्देश्य खाद्य क्षेत्र से जुड़े व्यवसायों के लयि नयिमों और प्रशासनकि प्रक्रयिओं को सरल बनाना है ।
- **मानकों का वसितार:**
 - प्रमाणन प्रक्रयि के सरलीकरण के अतरिकित अन्य स्वीकृतयिों में [मीड \(हनी वाइन\)](#) और [अल्कोहलकि रेडी-टू-ड्रकि \(RTD\)](#) पेय पदार्थों के मानक, [दूध वसा उत्पादों के मानकों में संशोधन](#), [हलीम](#) (दालें, अनाज और अन्य सामग्री से बना) के मानक आदि शामिल हैं ।
 - दालें, अनाज और अन्य सामग्री ।
 - वर्तमान में [हलीम](#) नरिदषिट गुणवत्ता मापदंडों के अनुरूप नहीं है ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधकिरण क्या है?

- **परचिय:**
 - FSSAI [खाद्य सुरक्षा और मानक अधनियम, 2006](#) के तहत स्थापति एक [स्वायत्त वैधानकि नकिय है](#) ।
 - वर्ष 2006 के अधनियम में खाद्य पदार्थों से संबंधति वभिनिन कानून शामिल हैं, जैसे [कखिाद्य अपमशिर्ण नविरण अधनियम, 1954](#), [फल उत्पाद आदेश, 1955](#), [मांस खाद्य उत्पाद आदेश, 1973](#) और वभिनिन मंत्रालयों और वभिगों द्वारा प्रबंधति अन्य अधनियम ।
 - इस अधनियम का उद्देश्य बहु-स्तरीय, बहु-वभिगीय नयितरण के स्थान पर एकल नयितरण स्थापति करते हुए [खाद्य सुरक्षा एवं मानकों से संबंधति सभी मामलों हेतु एक एकल संदर्भ बदि](#) स्थापति करना है ।
 - [स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय](#) के तहत कार्य करते हुए FSSAI भारत में खाद्य सुरक्षा तथा गुणवत्ता का वनियमन व पर्यवेक्षण करके [सार्वजनकि स्वास्थ्य की रक्षा एवं प्रोत्साहन](#) के लयि उत्तरदायी है ।

- FSSAI का मुख्यालय नई दिल्ली में है और इसके देश भर के आठ क्षेत्रों में क्षेत्रीय कार्यालय हैं।
- FSSAI के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है। इसका अध्यक्ष भारत सरकार के सचिव के पद के सामान पर पर आसीन व्यक्ति होता है।
- कार्य एवं शक्तियाँ:
 - खाद्य उत्पादों और योजकों के लिये **वनियमों तथा मानकों** का निर्धारण।
 - खाद्य व्यवसायों को **लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन** प्रदान करना।
 - खाद्य सुरक्षा कानूनों और वनियमों का **प्रवर्तन**।
 - खाद्य सुरक्षा और **गुणवत्ता की नगिरानी तथा पर्यवेक्षण**।
 - खाद्य सुरक्षा मुद्दों पर **जोखिम मूल्यांकन और वैज्ञानिक अनुसंधान का** संचालन करना।
 - खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता पर **प्रशिक्षण तथा जागरूकता बढ़ाना**।
 - खाद्य सुदृढीकरण और **जैविक खाद्य पदार्थों को प्रोत्साहन**।
 - खाद्य सुरक्षा मामलों पर अन्य एजेंसियों और हतिधारकों के साथ समन्वय करना।
- कार्यक्रम और अभियान:
 - **वशिव खाद्य सुरक्षा दविस**
 - **ईट राईट इंडिया**
 - ईट राईट सटेशन
 - ईट राईट मेला
 - **राज्य खाद्य सुरक्षा सूचकांक**
 - **RUCO (पर्युक्त खाद्य तेल का पुनः उपयोग)**
 - खाद्य सुरक्षा मतिर
 - **100 फूड स्ट्रीट**

भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)

- यह BIS अधिनियम 2016 के तहत स्थापित भारत का **राष्ट्रीय मानक निकाय** है। यह उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत संचालित होता है।
- BIS वस्तुओं के मानकीकरण, अंकन और गुणवत्ता प्रमाणन के सामंजस्यपूर्ण विकास के लिये उत्तरदायी है।
 - **BIS का मुख्यालय नई दिल्ली में है।**
- BIS अधिनियम, 2016, सरकार को मानकों के प्रमाणीकरण और प्रवर्तन के लिये **BIS के अतिरिक्त एजेंसियों को अधिकृत करने का अधिकार प्रदान करता है।**
 - इसमें उपभोक्ता संरक्षण उपाय जैसे उत्पाद वापस लेना, मुआवज़ा और गैर-अनुरूप मानक-चिह्नित उत्पादों के लिये सख्त दंड आदि शामिल हैं।

कृषि विपणन (AGMARK)

- एगमार्क **कृषि उपज के लिये एक प्रमाणन चिह्न** है, जो यह सुनिश्चित करता है कि वे कृषि उपज (ग्रेडिंग मार्कगि) अधिनियम, 1937 के तहत विपणन और निरीक्षण निदेशालय (DMI), कृषि, सहयोग तथा किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ग्रेड मानक के अनुरूप हैं।
- ये मानक गुणवत्ता के बीच अंतर की पहचान करते हुए **प्रत्येक वस्तु के लिये 2-3 ग्रेड** निर्धारित करते हैं।
 - अब तक, 222 कृषि पण्यों के लिये ग्रेड मानक अधिसूचित किये जा चुके हैं।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर वचिर कीजयि: (2018)

1. खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 ने खाद्य अपमशिरण की रोकथाम (प्रविशन ऑफ फूड एडल्टरेशन) अधिनियम, 1954 को प्रतस्थापित कयि।
2. भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधकिरण (फूड सेफ्टी एण्ड स्टैण्डर्ड्स अथॉरटी ऑफ इंडयि) (एफ.एस.एस.ए.आई.) केंद्रीय स्वास्थय एवं परविर कल्याण मंत्रालय में स्वास्थय सेवा महानदिशक के प्रभार में है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

??????:

प्रश्न. खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने के लिये भारत सरकार द्वारा अपनाई गई नीतियों के बारे में वस्तुतः वस्तुतः वर्णन कीजिये। (2021)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/fssai-to-streamline-food-safety-regulations>

